रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 अंक – 24 कानपुर 16 से 31 दिसम्बर 2025 प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी वार्षिक मूल्य ₹ 100

सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के

अन्दर भी छात्रों सा उत्साह हो

खुलकर सामने आयें

- विकास हेतु उत्साह का होना अति आवश्यक
- उत्साह जीवन में ऊर्जा का संचार करता है
- बिना उत्साह के कार्य प्रगतिपूर्ण नहीं होता
- मान्यता मिलने तक शासनादेश ही लाभकारी
- समय के साथ जो नहीं चला वह पिछड़ गया
- दुर्भाग्य है कि सरकार द्वारा अधिकरण न होने से हमारे कार्यों का मूल्यांकन नहीं हो रहा है
- हमारे देश में यह चिकित्सा अब चरम पर है

किसी भी वस्तु अथवा ज्ञान को पाने के लिए उत्साह का होना बहुत आवश्यक होता है क्योंकि उत्साह जीवन में ऊर्जा का संचार करता है और यही हमारे कार्य में सुग्रहिता को जन्म देता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए भी उत्साह का होना बहुत आवश्यक है बिना उत्साह के कोई भी कार्य प्रगतिपूर्ण नहीं होता है।

आपके पास सबकुछ उपलब्ध हो और उस प्राप्त वस्तु या प्राप्त अधिकार को उपभोग करने के लिए उत्साह न हो तो अच्छी से अच्छी उपलब्धि भी व्यर्थ हो जाती है और जहाँ पर उत्साह होता है वहाँ हर काम भले ही वह कितना कठिन क्यों न हो उत्साह के चलते तत्काल पूरा हो जाता है इलेक्ट्रो होम्योपैथ के पास कार्य करने के सारे अधिकार हैं और यदि हमारे साथी अधिकारिता पूर्वक इन अधिकारों का प्रयोग करते होते तो शायद स्थिति आज बहुत अच्छी होती ! हम जिन अधिकारों के लिए आज भी स्वयं को पाने के लिए खोज रहे हैं वह अधिकार 4 जनवरी, 2012 को उ0प्र0 चिकित्सा अनुभाग 6 द्वारा ही हमको दिये जा चुके हैं यह आदेश इतना प्रभावी है कि जब तक इस चिकित्सा पद्धति को पूर्ण मान्यता नहीं मिल जाती है तब तक यह शासनादेश ही लाभकारी रहेगा लेकिन इस आदेश के आने के तेरह वर्ष पूर्ण हो जाने के उपरान्त भी हम सब वह नहीं पा पाये जो हमारे चिकित्सकों को प्राप्त होना चाहिये था।

यदि हम इस स्थिति पर एक दृष्टि डालते हैं तो यही नज़र आता है कि हमारे चिकित्सक को पता ही नहीं कि वह किस हताशा में हैं जो अच्छी से अच्छी उपलब्धि को भी उपभोग में नहीं ला पा रहे हैं इसके पीछे कहीं न कहीं जो कारण छिपा है वह है उत्साह हीनता ! उत्साह का होना इसलिए आवश्यक है क्योंकि अभी रास्ता बहुत लम्बा है और इसी रास्ते पर चलते हुए हमें प्रगति का रास्ता ढूढ़ना है।

उत्साह के जो कारक होते हैं उसमें सबसे प्रमुख कारण होता है दृढ़मनः स्थिति, हमें याद आता है कि जब कोई नया छात्र प्रवेश लेता है तो उसके मन में बहुत उत्साह होता है वह अपने भावी भविष्य के लिए हर चीज़ बड़े उत्साह से लेता है विद्यालय भी आता है कक्षायें भी नियमित रूप से अटेंड करता है तथा जो भी कोई आन्दोलन या कार्यक्रम होते हैं उसमें बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेता है और जितने भी अवधि का पाठ्यक्रम होता है उसे सफ़लतापूर्वक पूरा करने का प्रयास करता है।

ठीक इसी तरह से व्यवसाय के लिए सारी औपचारिकतायें पूरी करने के उपरान्त जब वह अपने व्यवसाय में बैठा है तो उसे उत्साह के साथ काम करने में बड़ा आनन्द आता है परिणाम स्वरूप उसे वह सब उपलब्ध होता है जिसकी अपेक्षा वह करता है।

आज इसी तरह के भाव की आवश्यकता हमें अपने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों के अन्दर दिखायी पड़ती है क्योंकि समय के साथ जो कोई नहीं चलता वह बहुत पिछड़ जाता है, पहले हम सारे के सारे लोग इस बात के लिए आन्दोलन करते थे कि किसी भी तरह से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई सरकारी आदेश आ जाये, प्रयासों के बाद 4 जनवरी, 2012 का आदेश आया वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई और जिस चीज़ के लिए हम लोग वर्षों से संघर्षरत थे वह प्राप्त हुआ ऐसा नही है कि 4 जनवरी, 2012 का आदेश आसानी से प्राप्त हो गया होगा वर्ष 2003 के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी की पूरे देश में जो स्थिति हुई वह तो यही बताती थी कि शायद अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का पुर्नजन्म ही मुश्किल से होगा, लेकिन देश के लाखों इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों और प्रदेश के चिकित्सकों के मनोभाव का परिणाम था कि सत्य की विजय हुई 25 नवम्बर, 2003 को जिस आदेश के कारण पूरे इलेक्ट्रो होम्योपैथी का अवनयन प्रारम्भ हुआ था वही 25 नवम्बर, 2003 का आदेश संजीवनी बनके काम आया 5–5–2010 को भारत सरकार के स्पष्टीकरण के साथ ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी के दिन बदलने लगे थे सरकार ने यह स्वीकार कर लिया था कि जिस बन्दी की बात बार–बार की जा रही थी, वह बन्दी सरकार द्वारा कभी की ही नहीं गयी थी, लेकिन 5–5–2010 का आदेश मात्र स्पष्टीकरण निकला प्रयोगिक नहीं था तब इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ने प्रयास किये और वह एतिहासिक आदेश निकाला जो पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ, 21 जून, 2011 का वह आदेश जो पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की स्पष्ट अनुमति देता है साथ–साथ इस आदेश के क्रियान्वयन के लिए सभी केन्द्र शासित प्रदेशों सहित सभी राज्य सरकारों को भी निर्देश दिया गया है कि इस आदेश का अनुपालन कर क्रियान्वित करें इसी आदेश का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 4 जनवरी, 2012 जैसा महत्वपूर्ण आदेश पारित किया और उत्तर प्रदेश राज्य भारत का वह पहला राज्य बना जहाँ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई सकारात्मक शासनादेश जारी हुआ, आदेश आया सबने खुशियां मनायीं परन्तु लक्ष्य हमारा अभी भी पूरा नहीं हुआ हमारी इच्छा थी कि हमारा हर चिकित्सक अधिकार पूर्वक कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी को आगे बढ़ाये और प्रगति की लड़ाई के लिए हमारे सब साथी कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें लेकिन 13 साल बीत गये 2012 से 2026 आ रहा है लेकिन स्थिति में बदलाव नहीं आया हमारे चिकित्सकों के दृष्टिकोण में परिवर्तन तो हुआ लेकिन वह इसे आत्मसात नहीं कर पा रहे हैं यदि उन्होंने पूरे मनोयोग से इस अधिकार को स्वीकारा होता तो शायद इलेक्ट्रो होम्योपैथी यदि शिखर पर नहीं होती तो शिखर के आस पास ज़रूर होती लेकिन निराश होने की कोई बात नहीं है ! समय का चक्र बदलता है मनःस्थित में परिवर्तन आता है और यह परिवर्तन सब कुछ बदलने में सक्षम होता है, हम कर्मयोगी हैं और कर्म पर भरोसा करते हुए भविष्य की नीति निर्धारित करते हैं परिणाम कर्म से ही मिलते हैं यह कटु सत्य ही विकास की राह दिखाता है हमारे चिकित्सक भी एक न एक दिन अपने अधिकारों को समझेंगे ओर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को नया आयाम देंगे और यही आयाम हमारे भविष्य का निर्धारण करेंगे अच्छे भविष्य के लिये यह आवश्यक है कि हमारे कार्यों का समुचित मूल्य निकाला जाये तभी जिस अभिष्ठ के लिये हम सब प्रतिबद्ध हैं वह प्रतिबद्धता निभा सकें।

हमें विचार करना चाहिये कि योगा और सोवा रिग्पा जैसी पद्धतियों को मान्यता कैसे मिली ? न कोई शोर, न कोई आन्दोलन, न कोई धूम–धड़ाका एक प्रस्ताव आया सरकार का समर्थन मिला और मान्यता मिल गयी इसलिए हमें अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा पूरानी सोच को बदलना होगा और नये उत्साह के साथ मान्यता की तरफ बढ़ना होगा अब वह निर्णायक समय आ गया है जब सामुहिक स्तर पर ऐसा नीतिगत निर्णय लिया जाये जो सकारात्मक हो और उपयोगी भी हो।

मान्यता

तो हम एक दिन लेकर ही रहेंगे

उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है, सारे देश की राजनीति यहीं से चलती है, हर परिवर्तन की बयार यहीं से होकर पूरे देश को छूती है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी उत्तर प्रदेश से निकल कर पूरे देश में पली बढ़ी और हर आन्दोलन का केन्द्र भी उत्तर प्रदेश ही रहा है और इसे हम सौभाग्य ही कहेंगे कि इतने वर्षों की तपस्या के बाद केन्द्र और राज्य सरकार के आदेश भी इसी उत्तर प्रदेश आधारित संस्थाओं को ही प्राप्त हैं, भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्गत 21 जून, 2011 का आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के पक्ष में व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी 4 जनवरी , 2012 का शासनादेश उत्तर प्रदेश की मूल संस्था बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के नाम ही जारी किया गया है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में हमारे सभी साथियों की भूमिका है अपना–अपना योगदान है कोई प्रत्यक्ष है और कोई परोक्ष, कुछ प्रयास फलीभूत हुए और कुछ प्रयास मात्र प्रयास बन कर रह गये परन्तु छाप सबने छोड़ी, ऐसा नहीं है कि उत्तर प्रदेश में सिर्फ़ सकारात्मक आदेश ही आये हैं, उत्तर प्रदेश ने बहुत सहा है, कुछ वर्षों पूर्व उत्तर प्रदेश से ही एक ऐसा आदेश निकला था जिसने हमारे विकास को उन्नयन से अवनयन को ला दिया था, इस प्रदेश में राजनीति बहुत है, एक दूसरे को उठाने और गिराने की पुरानी आदत है।

इस तरह से उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी की कर्मभूमि के साथ–साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थापना के लिए सबसे आगे रहती है, ऐसा नहीं है कि अन्य राज्यों में काम नहीं हुआ है अन्य राज्यों में भी कार्य हुआ है, आन्दोलन भी हुए हैं और प्रयास किये गये और किये जा रहे हैं।

किसी भी चिकित्सा पद्धति से जुड़े चिकित्सकों की यह इच्छा होती है कि वह जिस चिकित्सा पद्धति से जुड़ा है उस चिकित्सा पद्धति को पूर्ण वैधानिक दर्जा मिले और मान्यता मिले जिससे कि वह सर उठाकर कह सके कि वह जिस चिकित्सा पद्धति का चिकित्सक है वह अन्य चिकित्सा पद्धतियों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है इसे हम विडम्बना ही कहेंगे कि लगभग दो सौ वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पूरे विश्व में प्रचलित है, इस चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक लगातार इस चिकित्सा विधा का प्रयोग करते हुए लोगों को स्वास्थ्य लाभ दे रहे हैं लेकिन अभी तक इस पद्धति को पूर्ण मान्यता के दर्शन नहीं हुए, भारत वर्ष में भी यह चिकित्सा पद्धति चरम पर रही है लाखों की संख्या में इस विधा के जानकार अपनी अपनी क्षमता से इस विधा का प्रयोग करते हुए जनस्वास्थ्य में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं, सामान्य व्याधियों से लेकर गम्भीर बीमारियों को ठीक करने का दावा हमारे चिकित्सकों ने भी ठोंका है और कसौटी पर खरे भी उतरे हैं।

कुष्ठ और कैंसर जैसी असाध्य बीमारी पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने जो चमत्कारिक परिणाम दिये वह चौंकाने वाले थे इस तरह से कार्य हो रहा है लेकिन सरकार द्वारा अभी तक किसी भी अधिकरण न गठित होने के कारण हमारे कार्यों का सही मूल्यांकन नहीं हो पा रहा है, इसी के कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कार्य के आधार पर वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जो वास्तव में मिलना चाहिये, इसका दुष्प्रभाव यह हो रहा है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के आन्दोलन की धार लगातार कुंद पड़ती जा रही है ज्यों–ज्यों समय बीतता जा रहा है सरकार मान्यता की तरफ़ ध्यान नहीं दे रही है, मान्यता हमारा अधिकार है, मान्यता हमें मिलनी ही चाहिये लेकिन बदली परिस्थिति में मान्यता कैसी ली जाये ? इस पर हमें नये सिरे से विचार करना होगा मान्यता पर जो परम्परागत ढर्रे हैं, जिन पर हम सब कार्य कर रहे हैं, धीरे–धीरे वह प्रभावहीन होते जा रहे हैं धरना देकर, प्रर्दशन करके, आन्दोलन करके, सरकार का ध्यानाकर्षित तो किया जा सकता है लेकिन किसी परिणाम की अपेक्षा नहीं की जा सकती है।

आप ज़्यादा धरना प्रर्दशन करेंगे सरकार एक कमेटी गठित कर देगी मान्यता की रिपोर्ट मांगेगी और वर्षों का समय नष्ट कर देगी, जब ज़्यादा दबाव पड़ता है तो सरकार एक मान्यता बिल प्रस्तुत कर देती है वर्षों पड़े रहने के बाद भी उसपर कोई चर्चा नहीं होती है, फ़ाइलों का ढेर बढ़ता जाता है, धूल की परत मोटी होती जाती है, लेकिन मान्यता का प्रकरण जहाँ था वहीं खड़ा रहता है।

हमारा प्रयास आपका सहयोग और अधिकारों के प्रति जागरूकता से ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास सम्भव होगा केवल पत्र व्यवहार से या जन सूचना अधिकार से विकास नहीं होता है, सफ़लता की कुंजी कार्य से है आप कार्य करें यदि कोई कार्य में रोड़ा अटकाता है तो हम बार–बार प्रयास करते रहेंगे, जब तक कार्य नहीं होगा तब तक सरकार हमारे बारे में क्या सोचेगी ? हम दावे चाहे जितने कर लें पर दावे का निस्तारण कार्य से ही सम्भव है पूर्व हो या पश्चिम,उत्तर हो या दक्षिण जब विकास की धारा बहेगी तब कोई अछूता नहीं रहेगा।

List of Medical Institutes/Institute

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
1	01	Ashish Electro Homoeopathic Medical Institute	RAIBARELY	EH Dr. P. N. Kushwaha 9415177119
2	03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Institute	LUCKNOW	Dr. Ashutosh Kapoor 7007592773 , 9125720111
3	05	Bhagwan Mahaveer Electro Homoeopathic Institute	JAUNPUR	EH Dr. P. K. Maurya 9451162709
4	06	Maa Sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	LAKHIMPUR	EH Dr. R.K. Sharma 9454236971
5	11	Chand Par Electro Homoeopathic Medical Institute	AZAMGARH	EH Dr. Mushtaq Ahmad 9415358163
6	12	Institute of Electro Homoeopathy	KANPUR	Contact No 9450153215,9415074806
7	13	Azad Electro Homoeopathic Medical Institute, Kintoor	BARABANKI	EH Dr. Habib-ur-Rehman 8574239344
8	14	Dr. R. C. Upadhyay Institute of Electro Homoeopathic	SADABAD	Dr. Mamita 8193940245
9	15	Electro Homoeopathic Medical Institute	SHAHJAHANPUR	EH Dr. Ammar-Bin-Sabir 9336034277
10	16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Institute	Shahganj JAUNPUR	EH Dr. S. N. Rai 9450088327
11	17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	SIDDHARTH NAGAR	Dr.Ved Prakash Srivastav 9936022029

List of Study Centres

Sr.	Code	Name	District	Principle/ Manager & Mob.No.
12	51	Fatehpur E.H. Study Centre	FATEHPUR	EH Dr. Vakeel Ahmad 8115210751
13	52	Deoria E.H. Study Centre	DEORIA	EH Dr. P. K. Srivastav 9415826491
14	53	Bahraich E.H. Study Centre	BAHRAICH	Dr. Bhoop Raj. Srivastav 9451786214
15	54	Unnao E.H. Study Centre	UNNAO	EH Dr. Gaurav Dwivedi 9935332052
16	55	Walidpur E.H. Study Centre	Walidpur MAU	EH Dr. Ayaz Ahmad 9305963908
17	56	Aarti E.H. Study Centre	JALAUN	EH Dr. Gaya Prasad 8874429538
18	57	B.K. E.H. Study Centre	HAMIRPUR (U.P.)	EH Dr. N.B.Nigam 7007352458
19	58	Electro Homoeopathic Study Centre	Hasanganj UNNAO	Hakim Mohd. Rashid Hayat 9005680843
20	59	Sirsaganj E.H. Study Centre	Sirsaganj FIROZABAD	EH Dr. Mohd. Israr Khan 9634503421
21	60	Etawah E.H. Study Centre	ETAWAH	EH Dr. Mohd. Akhlak Khan 7417775346
22	61	Firozabad E.H. Study Centre	FIROZABAD	EH Dr. Shiv Kumar Pal 9027342885
23	62	D.L.M.M. Study Centre of E.H.	MAHARAJGANJ	EH Dr. Prince Srivasta 7398941680
24	63	Kushwaha E.H. Study Centre	KANPUR	EH Dr. Ram Autar Kushwaha 9793264649
25	64	Rajendra E.H. Study Centre	VARANASI	Mr. Shashi Kant Maurya 7007730953
26	65	P. R. D. Medical Centre of Electro Homoeopathy	LUCKNOW	EH Dr. Parikhan Ram Dhusia 9250959501
27	66	Electro Homoeopathic Study Centre	MAINPURI	EH Dr. Bahadur Ali 8273125464
28	67	Aarogya Electro Homoeopathic Study Centre	JHANSI	EH Dr. Rajesh Tyagi 9415506749
29	68	Karishma Electro Homoeopathic Study Centre	AGRA	EH Dr. Mohar Shree 7500375933

AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

Sr.	Code	Head of Centre	Address	District
30	81	Gautam Budh Electro Homoeopathic Study Centre	374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar, DELHI-110090	EH Dr. Devendra Singh Mobile No 9818120565
31	82	The New Era of Electro Homoeopathy Study/Guidance Centre	12/1891 Ground Floor, Shop No: 3, Honey Park Apartment, Saiyed Wada, Shahpore, SURAT-395003	EH Dr. Abdul Rahman Khan Mobile No 8000241542

LIST OF AUTHRISED EXAMINATION CENTRES

Sr.	Code	Name of Examination Centre	Address	Name of Supdt. & Mobile No.
32	94	E.H. Examination Centre	B.E.H.M.UP. KANPUR	Registrar B.H.M.U.P 0512-2970704
33	96	E.H. Examination Centre	RAIPUR (Chattisgarh)	Dr. Rakesh Dubey 7714915587

Registrar
B.E.H.M.U.P.

आज के युवा पीढ़ी की आवश्यकता इलेक्ट्रो होम्योपैथी में प्रवेश लेकर अपना भविष्य उज्जवल करें

Offered Courses

Name of the Course	Abbreviation	Eligibility	Duration
Fellow of Medicine in Electro Homoeopathy	F.M.E.H.	10+2 (Any Stream) or Equivalent	Two Years (4 Semester)
Certificate in Electro Homoeopathy	C.E.H.	10th. Standard or Equivalent	2 Years
Advance Certificate in Electro Homoeopathy	A.C.E.H.	RegisteredPractitioner in any Branch or Equivalent	1 Year
Graduate in Electro Homoeopathic System	G.E.H.S.	10+2 (Bio Group) or Equivalent	4 Years Plus (1 Year Internship)
Post Graduate in Electro Homoeopathy	P.G.E.H.	Graduate in any Medical Stream or Equivalent	2 Years

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

8—लालबाग, कमला शर्मा मार्ग,
लखनऊ—226001
प्रशा0 कार्या0 : 127/204 ''एस''
जूही,कानपुर—208014

website:
www.behm.org.in

Celebrating GOLDEN JUBILEE
24 April, 1975
24 April, 2025

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर—208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर—208014 से प्रकाशित किया।